दोनों देशों के विद्यार्थी साझा करेंगे विचार

डीएवीवी ने पहला एमओयू ताइवानी विवि मिंग ची प्रौद्योगिकी के साथ किया

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) ने पहली बार 6 ताइवानी विश्वविद्यालयों के साथ पारंपरिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने जा रहा है। पहला एमओयू सोमवार को मिंग ची प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमसीयूटी) के साथ किया है, जो ताइशान जिले न्यू ताइपे ताइवान में एक निजी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय है। डीएवीवी की कुलपति प्रो. रेणु जैन के नेतृत्व में 5 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल छह ताइवानी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने के लिए

इन विश्वविद्यालयों के साथ होगा समझौता

डीएवीवी अन्य विश्वविद्यालयों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है, जिसमें नेशनल ताइपे यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और ताइवान में एशिया यूनिवर्सिटी, नेशनल पिंग तुंग यूनिवर्सिटी, नेशनल चिन-यी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और काऊशुंग आइएसयू जीएमसी शामिल हैं।

ताइवान में हैं, जो सेमीकंडक्टर व चिप डिजाइन अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

चुनाव संबंधी कार्यों में शामिल हो जाएंगे, जिससे परीक्षा करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। यहां तक कि मूल्यांकन कार्य भी बाधित होगा।

परिवर्तनों से लगभग 40 हजार छात्र होंगे प्रभावित: परिवर्तनों से लगभग 40 हजार छात्र प्रभावित होंगे, उनमें से आधे से अधिक 11 से 28 मार्च के बीच

सीयूईटी पीजी परीक्षा की तैयारी भी कर रहे हैं। ये परीक्षाएं जो पहले 15 मार्च से शुरू होने वाली थीं, उनमें देरी हो गई क्योंकि विश्वविद्यालय में प्रश्न पत्र तैयार नहीं थे। कई प्रोफेसरों को चुनाव प्रशिक्षण में देरी हुई थी। इस प्रकार विश्वविद्यालय ने 25 मार्च के बाद आयोजित होने वाली परीक्षा में देरी